

शिक्षा ही विकास और समानता का वाहक है: लोकसभा अध्यक्ष

...

युवा बाबा साहेब के जीवन और आदर्शों से प्रेरणा ले: लोकसभा अध्यक्ष

...

विश्वविद्यालयों को बदलते समय की उभरती आवश्यकताओं के अनुरूप एक प्रगतिशील पाठ्यक्रम तैयार करना चाहिए: लोकसभा अध्यक्ष

...

राष्ट्र निर्माण में महिलाएं बराबर की भागीदार : लोक सभा अध्यक्ष

...

IGNOU ने देश में उच्च शिक्षा के लोकतंत्रीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है: लोकसभा अध्यक्ष

...

लोक सभा अध्यक्ष ने नई दिल्ली के IGNOU परिसर में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया

..

लोक सभा अध्यक्ष ने इग्नू प्रॉस्पेक्टस का ब्रेल संस्करण जारी किया

...

लोक सभा अध्यक्ष ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में छात्रों को संबोधित किया

...

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 2023: लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली परिसर में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की एक प्रतिमा का अनावरण किया और छात्रों को संबोधित किया।

श्री बिरला ने IGNOU परिसर में डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा के अनावरण के महत्वपूर्ण अवसर पर IGNOU को बधाई दी और इसे एक ऐतिहासिक क्षण बताया। इस अवसर पर बोलते हुए, श्री बिरला ने डॉ. अंबेडकर को एक दूरदर्शी नेता बताया, जिन्होंने देश के संविधान के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया है। श्री बिरला ने कहा कि समानता और न्याय के आदर्श, जो भारतीय लोकतंत्र को लगातार मजबूत करते हैं,

बाबासाहेब के दिल के सबसे करीब थे और न केवल भारतीय शासन के संदर्भ में एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं, बल्कि दुनिया के कई संविधानों की आधारशिला भी हैं।

श्री बिरला ने कहा कि आजादी की शुरुआत में हमारे संविधान निर्माताओं के सामने चुनौतियां बहुत बड़ी थीं। भारत न केवल आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़ा था बल्कि साक्षरता का स्तर भी बहुत कम था। यह मानते हुए कि शिक्षा और सामाजिक न्याय नवोदित लोकतंत्र की प्रगति के लिए सर्वोपरि हैं, बाबासाहेब ने लोगों के जीवन में उनके महत्व पर जोर दिया। यह उल्लेख करते हुए कि बाबासाहेब का विचार था कि ज्ञान और शिक्षा सामाजिक और आर्थिक विकास के साधन हैं, श्री बिरला ने उन चुनौतियों को याद किया जिनका सामना बाबासाहेब को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए करना पड़ा था। अपने दृढ़ संकल्प और समर्पण के माध्यम से ही बाबासाहेब ने राष्ट्र निर्माता का दर्जा हासिल किया और हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए, श्री बिरला ने जोर देकर कहा। श्री बिरला ने कहा कि बाबासाहेब ने शिक्षा को एक सामाजिक क्रांति के रूप में देखा था।

इस बात पर जोर देते हुए कि शिक्षा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए, श्री बिरला ने कहा कि IGNOU यह सुनिश्चित करने में सराहनीय सेवा कर रहा है कि शिक्षा समाज के सभी वर्गों के लिए समान रूप से उपलब्ध हो। श्री बिरला ने शानदार विकास के लिए विश्वविद्यालय की सराहना की, क्योंकि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) अब उच्च शिक्षा में नामांकन के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है, जिसने न केवल भारत में बल्कि पूरे देश में और दुनिया भर के 53 देश के 35 लाख से अधिक छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की है। श्री बिरला ने प्रसन्नता व्यक्त की कि पिछले 38 वर्षों में IGNOU ने ऐसे छात्रों के लिए आशा की किरण बनकर खड़ा हुआ है जो अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए नियमित कॉलेज जाने में असमर्थ हैं। इस संदर्भ में श्री बिरला ने कहा कि IGNOU ने देश में उच्च शिक्षा के लोकतंत्रीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। IGNOU दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचने में अद्वितीय रूप से सहायक रहा है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का इच्छुक कोई भी व्यक्ति बाधाओं के कारण वंचित न रहे। श्री बिरला का मानना था कि यह विशेष रूप से समाज के सबसे वंचित वर्गों के बारे में सच है, जिन्हें अक्सर सामाजिक या आर्थिक दबावों के कारण शिक्षा हासिल करना मुश्किल लगता है।

उन्होंने कहा कि IGNOU ने महिलाओं को समान अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और अब महिलाओं को राष्ट्र और समाज निर्माण में समान योगदानकर्ता के रूप में देखा जाता है। श्री बिरला ने शिक्षाविदों और प्रशासकों से शैक्षिक क्षेत्र में बदलावों को अपनाने और बदलते समय की उभरती जरूरतों के अनुसार एक प्रगतिशील पाठ्यक्रम तैयार करने का आग्रह किया।

IGNOU के प्रयासों की सराहना करते हुए, श्री बिरला ने शिक्षा को कौशल विकास के साथ जोड़ने के प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण पर ध्यान आकृष्ट किया। श्री बिरला ने आशा व्यक्त की कि कौशल विकास के साथ शिक्षा छात्रों के जीवन में व्यापक सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन लाएगी।

श्री बिरला ने छात्रों को शिक्षा की उत्पादकता और गुणवत्ता में लगातार सुधार करने और ज्ञान और नवाचार आधारित क्षेत्रों में प्रगति करने के लिए विश्वविद्यालय के पास उपलब्ध विशाल शैक्षिक सामग्री का पूर्ण और सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। यह उल्लेख करते हुए कि आज के स्मार्ट शिक्षा के युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स जैसे नए सीखने के लिए अनेको रास्ते हैं जो अब सभी के लिए उपलब्ध हैं, श्री बिरला ने छात्रों से इनका अधिकतम उपयोग करने का आग्रह किया।

श्री बिरला ने इग्नू अनुसंधान इकाई का नाम सावित्रीबाई फुले अनुसंधान इकाई रखा

इस मौके पर, श्री बिरला ने इग्नू रिसर्च यूनिट का नाम सावित्रीबाई फुले रिसर्च यूनिट रखा। श्री बिरला ने कहा कि सावित्रीबाई फुले एक ऐसी क्रांति की सूत्रधार रहीं जिन्होंने महिलाओं के लिए शिक्षा और अधिकार सुनिश्चित किए। उनके संघर्ष का सुपरिणाम है कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रही हैं।

श्री बिरला ने IGNOU प्रॉस्पेक्टस का ब्रेल संस्करण जारी किया

इस अवसर पर, श्री बिरला ने IGNOU प्रॉस्पेक्टस का ब्रेल संस्करण भी जारी किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह समावेशी शिक्षा प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।